E-Learning Study Material

By Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

B.A. Part 1st Economics Hons
Paper 1st.

Definition and Types of Elasticity of Demand :-

श्रीमती जॉन रॉबिन्सन की दी गयी परिभाषा को हम निम्न रूप से व्यक्त कर सकते हैं :

$$E_p = \frac{\text{माँग में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$, जब E_p का अभिप्राय माँग की कीमत लोच से है।

इस सूत्र को हम एक उदाहरण के सहारे भी समझ सकते हैं। हमने माना कि किसी वस्तु का मूल्य 20 रुपया प्रति इकाई है, इस मूल्य पर वस्तु की 100 इकाइयों की माँग की जाती है। अब मान लीजिए इस वस्तु के मूल्य में कमी आती है, मूल्य में कमी के कारण उस वस्तु की माँग 100 इकाइयों से बढ़ कर 120 इकाइयाँ हो जाती है, अब उपयुक्त सूत्र के अनुसार हम माँग की लोच की जानकारी सात

कर सकते हैं :-

(i) माँग में आनुपातिक परिवर्तन = माँग में परिवर्तन / पूर्ववत् माँग

$= \frac{20}{100} = \frac{1}{5}$

(ii) कीमत में आनुपातिक परिवर्तन = कीमत में परिवर्तन / पूर्ववत् कीमत

$= \frac{5}{20} = \frac{1}{4}$

(iii) माँग की लोच = माँग में आनुपातिक परिवर्तन / कीमत में आनुपातिक परिवर्तन $= \frac{\frac{1}{5}}{\frac{1}{4}} = \frac{1}{5} \times \frac{4}{1}$

$= \frac{4}{5}$ या $E_p = 0.8$

साधारण शब्दों में, माँग की लोच का अर्थ यह है कि एक वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी माँग में जो प्रतिक्रिया होती है, उसे माँग की लोच कहा जाता है। माँग की लोच बताती है कि कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप माँग में कितना परिवर्तन होता है।

माँग की लोच के प्रकार एवं श्रेणियाँ (Kinds and Types of Elasticity of Demand) :- माँग की लोच के निम्न तीन रूप हैं :- (1) माँग की कीमत लोच (Price Elasticity of Demand)

(2) माँग की आय लोच (Income Elasticity of Demand)

(3.) माँग की आड़ी लोच (Crossing Elasticity of Demand.)

1. माँग की कीमत लोच :- माँग की लोच हमें इस बात की जानकारी देती है कि किसी वस्तु की कीमत में जो परिवर्तन आते है, उन परिवर्तनों से वस्तु की माँग पर कितना प्रभाव पड़ते हैं। थोड़े में माँग की लोच में माँग के केवल उन परिवर्तन पर विचार किया जाता है जो कीमत में परिवर्तन से प्रभावित होता है लेकिन कीमत ~~के~~ के परिवर्तन का प्रभाव सभी वस्तुओं पर समान रूप से नहीं पड़ता है। कीमत में परिवर्तन से कुछ वस्तुएँ अत्यधिक प्रभावित होती हैं तो कुछ कम और कुछ नहीं के बराबर। अर्थात् कुछ वस्तुओं की माँग की लोच कम होती है तो कुछ की अधिक। इसी आधार पर हम माँग की कीमतलोच को निम्न पाँच श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं:

(i) पूर्णतया लोचदार माँग (Perfect Elastic Demand)
(ii) अधिकलोचदार माँग
(iii) इकाई के बराबर माँग की लोच
(iv) अधिक बेलोचदार माँग
(v) पूर्णतया बेलोचदार माँग